No. of Printed Pages : 6

BPYC-131

B. A. (GENERAL) (PHILOSOPHY)

(BAG)

Term-End Examination

June, 2023

BPYC-131 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Discuss the theory of causation given by Sāṁkhaya Philosophy. 20

OR

Elaborate the concept of Sunyata of Mādhyamika Philosophy. 20

2. Write a note on the concept of Liberation in Jainism. 20

OR

Elaborate on this concept of Abhāva given by the Vaiśeṣika school. 20

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Elucidate the views of Carvaka on the concept of self. 10

   (b) Describe the states of consciousness given by Māndukya Upaniṣad. 10

   (c) What is the nature of Universe acording is Chandogya Upaniṣad. 10

   (d) Write a note on the Moral Philosophy of Vidura. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) How does Mundaka Upaniṣad establish the identity between Jiva and Brahman ? 5

   (b) Discuss Anekantavada of Jainism. 5

   (c) Discuss the nature of Mokṣa as given by Ṡankrācharya. 5

   (d) How does Sāṁkhya prove the existence of Purusa ? 5

   (e) Write a note on the Upamāna Pramāna in Nyāya Philosophy. 5

   (f) Write a note on the Eightfold path of Buddhism. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4

(a) Anupramāṇā of Madhva. 4

(b) Satkāryavāda 4

(c) Anirvacanīya Khyātivāda 4

(d) Bhumā Vidyā 4

(e) Samādhi in Yoga philosophy 4

(f) Āstika Darśan 4

(g) Parārthānumāna 4

(h) Śruti 4

BPYC-131

बी.ए. (सामान्य) (दर्शनशास्त्र)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.पी.वाई.सी.-131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक* ***1*** *और* ***2*** *का उत्तर लगभग* ***400-400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. सांख्य दर्शन द्वारा दिये गये कारणता के सिद्धान्त की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

माध्यमिक दर्शन के शून्यता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20

2. जैन दर्शन में मोक्ष की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

वैशेषिक दर्शन द्वारा दिये गये अभाव के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** क उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) आत्मा की अवधारणा पर चार्वाक के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) मांडक्य उपनिषद द्वारा दी गई चेतना की अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। 10

(ग) छांदोग्य उपनिषद के अनुसार ब्रह्मांड की प्रकृति क्या है ? 10

(घ) विदुर के नैतिक दर्शन पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) मुंडक उपनिषद जीव और ब्रह्म के मध्य तादात्म्य कैसे स्थापित करता है ? 5

(ख) जैन दर्शन के अनेकान्तवाद की चर्चा कीजिए। 5

(ग) शंकराचार्य द्वारा दिए गये मोक्ष की प्रकृति का वर्णन कीजिए। 5

(घ) सांख्य दर्शन पुरुष का अस्तित्व कैसे सिद्ध करता है ? 5

(ङ) न्याय दर्शन के उपमान प्रमाण पर टिप्पणी लिखिए। 5

(च) बौद्ध दर्शन के अष्टांगिक मार्ग पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) माधव के अनुसार अनुप्रमाण 4

(ख) सत्कार्यवाद 4

(ग) अनिर्वचनीय ख्यातिवाद 4

(घ) भूमा विद्या 4

(ङ) योग दर्शन में समाधि 4

(च) आस्तिक दर्शन 4

(छ) परार्थ अनुमान 4

(ज) श्रुति 4